Patrika (Indore), 11th July 2025, Page – 02

#IITIndore

दीक्षांत समारोह में इंदौर से पहली बार किसी विद्यार्थी को मिलेगा सिल्वर मेडल

'आयरन मैन' से प्रेरित होकर ईशान श्रीवास्तव बने आइआइटी टॉपर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर के 13वें दीक्षांत समारोह में इस बार शहर के लिए गर्व का क्षण आने वाला है। इंदौर के छात्र ईशान श्रीवास्तव को बीटेक में टॉप करने पर रजत पदक से सम्मानित किया जा रहा है। शनिवार को होने वाले समारोह में 809 विद्यार्थियों को डिग्री, जबकि 6 स्वर्ण और 8 रजत पदक वितरित किए जाएंगे।

ईशान ने मैटलर्जी एंड मटेरियल साइंस में बीटेक करते हुए 10 में से 9.15 सीपीआइ अर्जित की है। उन्होंने चार साल की डिग्री के दौरान 60 से ज्यादा कोर्स पूरे किए। यही नहीं, उनका प्रोजेक्ट भी उभरते क्षेत्र सुपर कैपेसिटर मटेरियल के सिंथेसिस पर आधारित रहा। ईशान की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। बचपन में वह क्रिकेटर बनने का सपना देखते थे लेकिन पांचवीं कक्षा में थे, तब 'आयरन मैन' फिल्म देखकर उनकी रुचि विज्ञान की ओर हो गई। फिर गणित में दिलचस्पी बढ़ी और 11वीं से जेईई की तैयारी शुरू कर दी। पहले प्रयास में सफल नहीं हो पाए। एक साल ड्रॉप लेने के बाद जेईई मेंस में 99.3 परसेंटाइल और एडवांस में 10774 रैंक के साथ आइआइटी का रास्ता साफ कर लिया। उन्हें आइआइटी मुंबई और आइआइटी खड़गपुर में अन्य कोर्स मिले, लेकिन बीटेक की सुविधा केवल आइआइटी रुड़की, आइआइटी हैदराबाद और आइआइटी इंदौर में थी। इंदौर के ही होने के कारण उन्होंने आइआइटी इंदौर को चुना।

एक्स्ट्रा कोर्स बने सफलता की सीढ़ी

आइआइटी इंदौर में हर सेमेस्टर में कोर कोर्सेस के साथ पांच ऐच्छिक कोर्स लेना अनिवार्य है। इसके अलावा विद्यार्थी 10 अतिरिक्त कोर्स भी चुन सकते हैं। ईशान ने एंटरप्रेन्योरशिप, इकोनॉमिक्स, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, फिलॉसफी, सोसाइटी जैसे विषयों में गहन अध्ययन किया। इससे उनका न केवल सीजीपीए बेहतर हुआ, बल्कि उन्हें विस्तृत ज्ञान भी मिला।

परीक्षा के दिनों में 9-10 पेपर: ईशान बताते हैं कि इतने कोर्सेस लेने की सबसे बड़ी चुनौती परीक्षा के समय आती है। 6 दिनों की परीक्षा में मुझे 9-10 पेपर देने होते थे। कभी-कभी एक दिन में दो पेपर होते थे, इसलिए तैयारी एडवांस में करनी पड़ती थी। इसके लिए वे अकेले बैठकर पढ़ाई करते और समय का नियोजन बखूबी करते।

पारिवारिक बिजनेस को देंगे नया आकार

पढ़ाई पूरी करने के बाद ईशान पिता के इलेक्ट्रिक बिजनेस को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। वे इसमें गियर्स निर्माण और बैटरी आरएंडडी जैसे नए पहलुओं को जोड़ना चाहते हैं। वह कहते हैं, मैंने जो मटेरियल टेक्नोलॉजी सीखी है, उसका इस्तेमाल अपने बिजनेस में करूंगा। संभव है आगे चलकर टेक से हटकर भी कुछ नया करूं।